नवभारत, 24 जून, 2011

नागपुर जैसे शहरों में आ रही बड़ी रीयल्टी कम्पनियां

■ सर्वे में खुलासा

एजेंसियां

मुंबई. कीमतों में स्थिरता और बेहतर संभावनाओं को देखते हुए बड़ी रियलटी कंपनियां देश के दूसरी श्रेणी के शहरों में आवासीय क्षेत्र में अगले वर्ष तक 180 अरब रुपए का निवेश करेंगी.

बाजार का अध्ययन करने वाली संस्था क्रिसिल ने एक रिपोर्ट 'रीयल्टी : शीर्ष 10 शहरों से परे' में कहा है कि रीयल्टी की बड़ी कंपनियां छोटे शहरों की ओर रूख कर रही है. इन शहरों में कारोबार की बेहतर संभावनाएं और निवेश के बेहतर अवसर है. रिपोर्ट में कहा गया है कि इन शहरों के आवासीय क्षेत्र में वर्ष 2012 तक 180 अरब रुपए का निवेश होने का अनुमान है. यह रिपोर्ट 10 शहरों भोपाल, नागपुर, भुवनेश्वर, कोयंबटूर, इंदौर, जयपुर, लखनऊ, सूरत, वडोदरा और विशाखापट्टनम के 65 बाजारों के अध्ययन के आधार पर तैयार की गयी है. इन शहरों में अगले तीन वर्ष में 35 करोड़ 40 लाख वर्गफुट में निर्माण करने की योजना तैयार हो चुकी है. इस तथ्य को देखते हुए भवन निर्माण कंपनियों भी इन शहरों में डेरा जमा रही है.